मनुजुडै पुट्टि

रागम्: आभोगि ताळम्: आदि

(श्री अन्नमाचार्य विरचित)

पल्लवि

मनुजुडै पुट्टि मनुजुनि सेविञ्चि
अनुदिनमुनु दुःख मन्दनेल

चरणम्

जुट्टेडु कडुपुकै चोरनि चो ड्डु त्सोचि
पट्टेडु कूटिकै बतिमालि
पुट्टिन त्सोटके पोरलि मनसुबेट्ट
वट्टि लम्पटमु वदलनेरडु गान ॥ १ ॥

अन्दरिलो पुट्टि अन्दरिलो चेरि
अन्दरि रूपमुल्सु अटु तानै
अन्दमैन श्री वेङ्कटाद्रीशु सेविञ्चि
अन्दरानि पद मन्देनटु गान ॥ २ ॥

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇